प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 27.12.2024 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का कल रात नई दिल्ली में हुआ निधन : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत विश्वभर के नेताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि।
2. केन्द्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार ने डॉ0 सिंह के सम्मान में सात दिन का राजकीय शोक किया घोषित : पूरे राजकीय सम्मान के साथ कल दिल्ली में किया जायेगा अंतिम संस्कार।
3. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की : कहा– पचास करोड़ रूपये से अधिक के कार्यों का कराया जाये थर्ड पार्टी ऑडिट।

और

4. प्रदेश के कई इलाकों में आज सुबह से रुक–रुक कर हुई बारिश के चलते बढ़ो ठंड : पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कल के लिये जारी हुआ बारिश का यलो अलर्ट।

————————

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का कल नई दिल्ली में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। पूर्व

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा कल सवेरे साढे नौ बजे नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय से श्मशान घाट तक जाएगी। पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को आज राष्ट्रीय राजधानी स्थित उनके आवास पर जनता के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बताया कि कल सवेरे उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस कार्यालय ले जाया जाएगा, जहां जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिलेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश और दुनिया के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एक वीडियो संदेश में श्री मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर पूरा राष्ट शोक में है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन भावी पीढी के लिए एक मिसाल है। बाइट.....

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन ने हम सभी के हृदय को गहरी पीड़ा पहुंचायी है। उनका जाना एक राष्ट्र के रूप में भी हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में और रिफाउड्स के प्रति समर्पित लीडर के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पी वी नरसिम्हराव मंत्रिमण्डल में रहते हुए डॉ. सिंह ने देश की आर्थिक स्थिति को नई दिशा प्रदान की। यह वो समय था जब देश आर्थिक संकट से

गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह सामान्य पृष्ठ भूमि के मूल्यों को कभी नहीं भूले।

दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थानों की शिक्षा लेने और सरकार के अनेक शीर्ष पदों पर रहने के बाद भी वो अपनी सामान्य पृष्ठभूमि के मूल्यों को कभी भी नहीं भूले। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उन्होंने हमेशा हर दल के व्यक्ति से संपर्क रखा, सबके लिए सहज उपलब्ध रहे, आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जे पी नडडा, राजनाथ सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निवास पर जाकर उन्हें पुष्पाजंलि दी।

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि राष्ट्र ने एक जाने माने राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री और प्रसिद्ध नेता को खो दिया है। बैठक में उनके निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया आर दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने निधन को भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। श्री सिंह के निधन पर केंद्र सरकार के साथ प्रदेश सरकार ने सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान राष्ट्र ध्वज आधे झुके रहेंगे और कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं होंगे।

डॉ. मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक भारत के 13वें प्रधानमंत्री रहे। उनके परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं। डॉ. सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत के एक गांव में हुआ था। डॉ. सिंह प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री भी थे। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन जन सेवा और समाज के उत्थान के लिए समर्पित था। पेश है समाचार कक्ष की श्रद्धांजलि –

डॉ. मनमोहन सिंह ने शुरुआती करियर में पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल आफ इकोनॉमिक्स में पढ़ाया। डॉक्टर सिंह 1971 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। उन्होंने वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार और सचिव, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक सुधारो में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के साथ डॉ मनमोहन सिंह ने देश के आर्थिक परिदृश्य को एक नया आयाम दिया।

मनरेगा जैसी योजनाओं और आरटीआई और एनएफसी जैसे कानूनों के माध्यम से उन्होंने नागरिकों को खाद्य सुरक्षा का कानूनी अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित किया। भारत में आर्थिक सुधारों के शिल्पकार से लेकर विनम्रता और बुद्धिमत्ता के प्रति डॉ मनमोहन सिंह ने देश के राजनीतिक इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

————————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

————————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर आयोजित अलग अलग बैठकों में गृह विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करने के साथ ही रोजगार सृजन की संभावनाओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पेश है एक रिपोर्ट.....

गृह विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान श्री योगी ने विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन पुलिस लाइन, ट्रांजिट हस्टल अथवा प्रशिक्षण संस्थानों से जुड़े भवनों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता के लिए नियमित समीक्षा पर जोर दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश दिए कि गृह विभाग में सचिव स्तर के अधिकारी द्वारा इन परियोजनाओं की साप्ताहिक और अपर मुख्य सचिव स्तर पर पाक्षिक समीक्षा करें। इसके साथ ही 50 करोड़ रूपये से अधिक की सभी निर्माण परियोजनाओं का किसी टेक्निकल इंस्टिट्यूट द्वारा थर्ड पार्टी मासिक अडिट कराया जाए। उधर, रोजगार सृजन के संबंध में आयोजित बैठक में श्री योगी ने अधिकारियों को अपने–अपने विभाग में ठोस कार्य योजना के अनुरुप रोजगार सृजन के निर्देश दिये। आकाशवाणी समाचार कक्ष से राघवेन्द्र त्रिपाठी।

————————

राज्य कर्मचारियों को 31 दिसम्बर 2024 तक अर्जित अपनी चल अचल सम्पत्ति का ब्यौरा 31 जनवरी तक देना

होगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि तय तारीख तक अपनी सम्पत्ति का विवरण न देने वाले राज्य कर्मियों के नामों पर पदोन्नति चयन समिति विचार नहीं करेगी, जो अधिकारी और कर्मचारी यह जानकारी नहीं देंगे उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

————————

महाकुम्भ में आनेवाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए मेला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। महाकुम्भनगर के रास्तों की सटीक जानकारी श्रद्धालुओं को मिल सके, इसके लिए सिर्फ मेला क्षेत्र में 800 साइनेजेस लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पेश है एक रिपोर्ट.....

महाकुंभ मेला क्षेत्र में अब तक कुल मिलाकर 400 से अधिक साइनेजेस लगा दिये गये हैं, जबकि 31 दिसंबर तक सभी 800 साइनेजेस लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी विभाग इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रतिदिन 100 साइनेजेसकी स्थापना का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।पीडब्ल्यूडी ने विभिन्नभाषाओं में यहां साइनेजेस स्थापित किए हैं। इसमें हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ ही अन्य राज्यों की भाषाओं को भी प्रमुखता दी गई है। प्रवीण मश्र, आकाशवाणी समाचार, प्रयागराज

————————

प्रदेश के कई इलाकों में आज सुबह से रुक–रुक कर हुई बारिश के चलते ठंड बढ़ गई। मुज़फ्फरनगर, अमरोहा, गाजियाबाद, बागपत सहित राज्य के पूर्वी और पश्चिमी

हिस्सों में हुई बारिश और ठंडी हवा चलने से पारा गिर गया। मौसम विभाग ने कल पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में गरज चमक के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 29 और 30 दिसंबर के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। मुज़फ्फरनगर में बारिश के कारण ठंड बढ़ने से जिलाधिकारी ने कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में कल अवकाश की घोषणा की है।

(समाप्त)